

## एल.एल.एफ छत्तीसगढ़ के कुछ पूर्व व नए प्रतिभागियों की सराहनीय पहल:

हाल ही में 28, 29 व 30 जुलाई 2017 को छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुन्द जिले में एल.एल.एफ छत्तीसगढ़ के कुछ पूर्व व नए प्रतिभागियों ने राज्य के अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर प्रारंभिक भाषा शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह एक ऐसी अनूठी कार्यशाला थी जो पूर्णतः स्वप्रेरित थी और बिना सरकारी वित्तीय सहायता के इसका आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला भारत के शिक्षा जगत में एक ऐतिहासिक पहल है जिसकी चर्चा लम्बे समय तक की जाएगी कि कैसे कुछ चुनिंदा शिक्षकों ने अपने खुद के व्यवसायिक विकास के लिए बिना किसी सहायता के अपने खर्चे पर यह आयोजन किया। इस कार्यशाला द्वारा राज्य के 10 जिलों के लगभग 50 शिक्षकों को प्रारंभिक भाषा शिक्षण की बारीकियों को और अच्छे से समझने का अवसर मिला। आप सभी के इस नवाचार ने यह दिखा दिया है कि यह धारणा, जो प्रशासन व समाज में कई लोगो की रहती है, की शिक्षक सीखना नहीं चाहते, उनकी जवाबदेही नहीं होती है यह बिलकुल गलत है।

LLF से जुड़कर अपने पूरे जीवन काल के सारे सपने स्वयं ही पूरे करते देख असीम ऊर्जा का संचार हो चुका है। समाज में स्कूल की परिकल्पना का वास्तविक स्वरूप, प्रारम्भिक भाषा की सुदृढ़ता, को LLF की चरणबद्ध मॉड्यूल संरचना से बेहतर और सहज ढंग से सीखने को मिला। आज उन्हीं प्रक्रियाओं के बारीकी तरीकों को अपने कक्षा में बच्चों के साथ किए गए उपयोग और उनसे प्राप्त उपलब्धियों का ही प्रतिफल है कि स्वयं ही अपनी सोच को राज्य के इस पहले और अभूतपूर्व आयोजन का हिस्सा बनने में तैयार कर सका। लगातार हमें सकारात्मक प्रोत्साहन, सराहना और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आदरणीय धीर झिंगरन सर एवं पूरी LLF टीम को मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

ईश्वरी कुमार सिन्हा

इस अनूठे प्रयास के लिए एल .एल .एफ अपने इन सभी साथियों को बहुत बहुत धन्यवाद करना चाहेंगे :

2016 बैच के प्रतिभागी	2017 बैच के प्रतिभागी
<ul style="list-style-type: none"><li>श्री ओम नारायण शर्मा</li><li>श्री ईश्वरी कुमार सिन्हा</li><li>श्री मधु साहू</li><li>श्री द्रोण साहू</li><li>श्री हीराधर सिन्हा</li><li>सुश्री पुष्प शुक्ला</li></ul>	<ul style="list-style-type: none"><li>श्री जागेश्वर सिन्हा,</li><li>श्रीमती खेमीन साहू</li><li>श्री गोपाल साहू,,</li><li>श्री योगेश निर्मलकर,,</li><li>श्री आशीष साहू,,</li><li>श्री यशवंत चौधरी,,</li><li>श्री भारत साहू</li><li>श्री दिव्यप्रभा अवधिया</li><li>श्री श्रवण कुमार यादव</li><li>श्री कमल रत्नाकर,</li><li>श्री ताराचंद जायसवाल,</li><li>श्री गंगाधर साहू</li></ul>

आप सबों की प्रेरणा व विगत वर्ष एल एल एफ से अर्जित ज्ञान का सदुपयोग करने के उद्देश्य से महासमुंद में कार्यशाला का आयोजन किया गया। आप सबों की प्रेरणा ही थी जिसके कारण कार्यशाला काफी सफल रहा। हम सब ने मिलकर भाषा शिक्षण की बारीकियों पर चर्चा करते हुये भाषा शिक्षण की सटीक योजना बनाने में सफल रहे।

इस कार्यशाला से प्रतिभागियों में नई ऊर्जा संचरित हुई है तथा कक्षाओं में इसे करने के लिए तत्पर हुए हैं। प्रेरणा और प्रोत्साहन के लिए एल एल एफ को हार्दिक धन्यवाद।

ओम नारायण शर्मा



## बालोद . दल्ली

# बनाएंगे होनहार बालोद जिले के दो शिक्षक महासमुन्द में होने वाली कार्यशाला में लेंगे भाग विद्यार्थियों को भाषाई कौशल में दक्ष करने लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन की चलेगी मुहिम

**शिक्षक अर्पिता खत्री से करीब 200 शिक्षकों में महासमुन्द कार्यशाला 28 जुलाई से शुरू होगी**

बालोद में शिक्षक को गुणवत्ता सुधारने का प्रयास जारी है। कार्यशाला की तैयारी के लिए शिक्षक को महासमुन्द में बैकअप हूट। शिक्षकों के लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन में शामिल होंगे।

नई पढ़ाव, नई रीति-रिवाज के अलावा नए शिक्षक को प्रेरित करने के लिए लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन की चलेगी मुहिम। इस मुहिम के अंतर्गत शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षक अर्पिता खत्री ने बताया कि 'भाषा 21 वीं शताब्दी के लिए आवश्यक कौशल है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

**महासमुन्द - अमराठी**

## ‘सीखने के लिए समय और निश्चित स्थान की नहीं होती आवश्यकता’

महासमुन्द में प्रस्तावित करने के लिए अर्पिता खत्री ने बताया कि 'भाषा 21 वीं शताब्दी के लिए आवश्यक कौशल है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

**कार्यशाला**

## भाषा शिक्षा की बारीकियों को जानने जुटे 50 शिक्षक

शुक्रवार को हुआ बृजराज पाठशाला का शुभारंभ, विशेषज्ञ बोले व्यक्तिगत सुधारों से दूर होगी भाषाई दृष्टि

महासमुन्द में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

## भाषा शिक्षण कार्यशाला में शिक्षकों ने सीखा बेहतर अध्यापन के गुर

महासमुन्द में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

## स्वप्रेरित होकर भाषा शिक्षण को प्रभावी बनाने जुटे शिक्षक

महासमुन्द में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला में भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों को भाषाई कौशल में दक्ष करने का प्रयास किया जा रहा है।